B.A - I

OBJECTIVE NOTES ON RAGA TODI

- यह राग तोड़ी थाट से उत्पन्न माना जाता है।
- गायन समय दिन का दूसरा प्रहर है।
- [redacted] इसकी जाति - सम्पूर्ण है।
- कहा जाता है इसकी रचना तानसेन ने की।
- वादी स्वर 'ध' तथा सम्वादी 'ग' है।
- इस राग को मियां की तोड़ी भी कहते हैं।
- समप्रकृति- राग गुर्जरी तोड़ी एवं मुलतानी
- इसके आरोह में पंचम वर्ज्य है
- आरोह अवरोह दोनों में पंचम वर्ज्य करने से गुर्जरी तोड़ी राग होता है।
- तोड़ी उत्तरांग वादी तथा दिन के उत्तरार्द्ध में अर्थात् 12 बजे से पूर्व गाये जाने पर भी इसमें मन्द्र सप्तक उतना ही प्रमुख है जितना कि मध्य और तार सप्तक।